Note: Attempt five questions in all, selecting at least two from each section. Each question is to be answered in about 400 words. All questions carry equal marks.

SECTION-I

1. Write an essay on the relevance and significance of the study of Western Political thought.

2. Analyse the views of Thomas Aquinas on Law and State.

3. Describe Machiavelli’s views on politics and forms of government.

4. What are the duties prescribed by Thomas Hobbes for the Sovereign?

5. Evaluate Rousseau’s theory of General will.
SECTION - II


7. Why is Immanuel Kant’s political Philosophy considered international in character?

8. Analyse Bentham’s views on democratic government with special reference of democratic checks.

9. Explain and evaluate Hegel’s views on state.

10. What did Marx mean by “The economic structure of society constituted by its relations of production is the real foundation of society”? 

MPSE-003 2
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजनीति शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2011
एम.पी.एस.ई.-003: पश्चिमी राजनीतिक चिंतन
(प्लेटो से मार्क्स तक)
समय : 2 घंटे
अधिकतम अंक : 50
टिप्पणी : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न चुनते हुए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड - I

1. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन की प्रारंभिकता और महत्त्व पर एक निबंध लिखें।

2. कानून और राज्य पर थॉमस एक्वोनास के विचारों का विश्लेषण करें।

3. मैक्यावली की राजनीति और सरकारों के प्रकार पर विचारों का वर्णन करें।

4. थॉमस हॉब्बस ने संप्रभु के लिये क्या कर्त्तव्य सुझाये हैं?

5. रूसो के जनरल विल (General will) के सिद्धांत का मूल्यांकन करें।

MPSE-003 3 P.T.O.
खण्ड-II

6. प्राकृतिक अधिकारों और सामाजिक संविदा की ऐडम्बर्ड बर्क की समालोचना का वर्णन करें।

7. इमेन्नुअल कैंट के राजनीतिक दर्शन को चरित्र में अंतर्राष्ट्रीय क्या माना जाता है?

8. लोकतांत्रिक सीमाओं (checks) के विशेष संदर्भ में लोकतांत्रिक सरकार पर बैठक के विचारों का विश्लेषण करें।

9. राज्य पर हेगेल के विचारों की व्याख्या और उनका मूल्यांकन करें।

10. मार्क्स का "समाज के वास्तविक स्तंभ (foundation) में उत्पादन के सम्बन्धों से निर्मित समाज के आर्थिक ढंगे" से क्या अर्थ था?